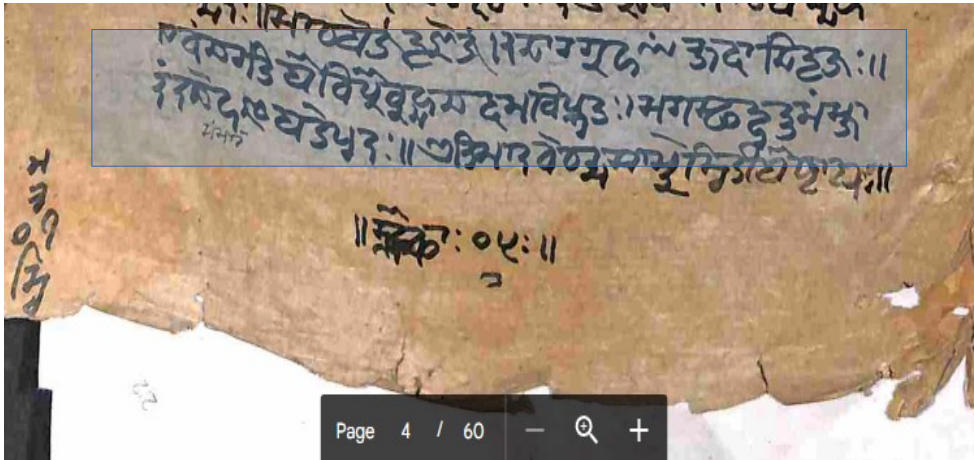


Title :Manava Dharma Shastra (Manusmriti)
(This manuscript consists excerpts of chapters 2 – 5)



एवंचरति योविश्रोब्रह्मचर्यमविप्लुतः ॥ सगच्छत्युत्तमस्थानं चेहाजायते पुनः ॥ २४९
इति मनुस्मृतौ द्वितीयोऽध्यायः ॥ २ ॥

Manava Dharma Shastra (Manusmriti) w

Ref :https://archive.org/details/manusmriti_with_6_commentaries/page/n293/mode/2up

॥ स्तोत्रः ०५ ॥

अभिपुत्रादुपुत्रमेवमुभयविरुद्धे ॥ उद्वेकहृते मनुष्याय
 नृमन्त्रमन्त्रवृष्ट्याद्या रवति द्यौमपुत्राद्वेकहीन
 भाद्राभुवृष्ट्याद्या रववेति ऐरः यथाभिमन्त्रयते
 मन्त्राद्यभिपुत्रादुपुत्रमभिपुत्रादुपुत्राद्याप्यते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

कमूयुग्म उगधकाधमुनविनिनाधा
कुला उमृता २०३:

एतु क... ना विना म... न वा रा उ...
 वे ल... म... उ... म...
 उ... म... म...
 उ... म... म...
 न वि ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

धूरांतेयेराउ (सुग) ममंविमोदिडिम। मधुसंगुद ७३॥ धूम्र
 ग्रमपडा १० यडेभियेयुगमगदिप। उभाहृममपडाजीम
 विमोराउवेभियाः॥ पुभाचुंमोठिकेमुकेसीठवेठिकेभियाः॥
 ममेपुभाचुंभियेवकील्लेयविधदयः॥ विदुमुहाम
 धूमभियेगदिपवलयेड। वृद्धमदेवठवडि यडउडममे
 वमर्॥ धेउमगुयः ८ उकलः ३३५ यमा सुउमः एक
 मीउयेमीमेडिधर् विदुः भुविदुः ममा उममभू वल
 यन ५१३ उं पिउ उकलं सुयेगुदेः भियं मेवडे मेहाम
 सुपिवृद्धमदे उदादिउः॥ ॥ ३ कटायापिडा विदुः नृही
 यामुल्लमवापिग रुदिमुल्लं लेठे मृत्रयेडविदि
 यी॥ सुीणविउयेमेद सुयसीवडिठवृवः। राधियागदिव
 सुंवडेपाया यावृणंगडिम॥ सुवेगेमिषुंमुल्लं केमिगुः
 मधेवडड। सुल्लेयवमजावापि विरयधुवमेवमः॥ यमा
 यमउमुल्लं १३ उयेमविमयः। मद् ३ उमागी ७ मन्
 मंमंमकेवनम॥ पिउठिहृउठि सुवैडयेडिठिहृवमेमुव।
 प्रहृउधदिउवृमठकल्ल ७ मीपुठिः॥ यडउदमुप
 हृउमउउउवेडः। यडेउउउपुहृउमवामुहदल्लवि
 यः॥ मीमत्रि १० मयेयइमिमृहृमुउडुल्लम। १३ मीमाउ
 उयडेउ वरउउदिमवव॥ १० मयेयदिगेद। दिमप
 हृपुडिपुडिः। उविहृउउ सीवविमृत्रिममउडः॥
 उमाउउममहृउउ ७ म्म १३ म मे॥ उडिकामे

गेदिं मङ्गु रेपु उ वेपु म उ उ वेपु विवद रिषु मङ्गु रेपु मदी
 भावपिडि विषु ॥ ॥ मनुष्ये ठा दया ठा ठा ठा दयैव
 म। यमि ने उ डु ले निहं कन्ठ उ उ वेपु वम। यमि दिभूर
 रेमे उ पुं मं मं रेपु मे म ये ड। मपु मे म उ न पुं म पुं रे न पु व उ
 उ ॥ पुं रे रे उ उ रे रे म उ उ उ उ ॥ मियं उ रे मे म दयं
 मयं उ उ रे म उ उ ल म। उ मं रे रे म दयं म व मे व रे मे उ ॥
 ऊ पि वा के वि वा ले ये वे र म पृ य रे र म। उ ल उ उ ल उ
 द्य उ वि वृ क्क उ उ उ मे ॥ मिल् मं विव द रे म्मु द्द प डै
 म्मे व लै। गेठि म्मु द्द य रे म्मु द्द पृ म्मे प मे व द्य ॥ म्मु द्द
 द्द य रे म्मे व र म्मु द्द म्मे क म्मे उ ल उ उ म्मु वि र म्मु उ
 य नि द्द य रि म उ उ ॥ वै रिक उ ॥ म उ उ म्मु म्मु रि उ
 ल उ उ उ उ उ यि। उ ल म्मे म्मे म्मे उ उ क म्मु उ म्मु
 द्द म्मे ॥ वै रिक के गे उ वी उ ग्गुं क्क य द्य वि वि। य म्मे
 य म्मे वि र म्मे प डिं म्मे उ वि वी म्मे दी ॥ ग्गुं क्क म्मे म्मे
 क ग्गु य म्मे रि। प डिं प क्कं। प्र हं दि ग्गु द्द य म्मे म्मे म्मे
 न मे म्मे रिः म्मे पृ ॥ य म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे
 म्मे ॥ य म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे ॥
 म्मे व म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे
 लि क वा उ प म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे
 म्मे रि। उ म्मे म्मे म्मे ॥ उ म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे
 म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे म्मे ॥

२७

वेङ्गीकुडिगनिकम् ॥ कुडिगि, उडिगि, उडिगि ॥
 कुदय दग्द सुङ्गुमत्र दृरेर केर केरवा । पयोधुने
 फलेवा पिपिउ दृष्टि डिमा दग्ग ॥ पयोधुम् ॥ एकम्
 धूमय विपु पिउ जे पा द्वा द्वा को । रयेव उमय के
 सिद्धे सुमेव प्रडिष्टम् ॥ वेङ्गुमेव धुमि दृष्टम् ॥
 विणिपवकम् ॥ सुद्धे कुदमेव उहे वृद्ध ॥ धेमम
 उदम् ॥ वेङ्गुमेव सुमे ॥ सुग्गुमेम सुमेव के उये
 वमम सुये ॥ विमुधमेव रेवा दग्ग उर द्यावम् ॥
 कुद्धे मेव उम दृष्टम् ॥ य उद्यवम् ॥ मदी दृवा
 पविष्टे उपाधिपुत उद्य ॥ एवं स भृगु दिष्टम्
 वरिष्ठ प्रसिद्धम् ॥ ७ कुडक पडी दृष्टम् ॥ उगे दृष्टि
 दग्ग ॥ मरुद्धे उडिगि मरि । मरुद्धे उडिगि मरि उडिगि
 ७ एवं सुमे लोपने दग्ग ॥ उडिगि के सिद्धे दृष्टम्
 मरुद्धे लोपने उपादु ॥ वृद्धे सुमे उडिगि मरुद्धे
 उडिगि दग्ग ॥ उडिगि के सुमे ७ सुमे ७ उडिगि मरुद्धे
 ७ ॥ विमुद्धे सुमे उडिगि निमा कमा उडिगि ॥ विमुद्धे
 उडिगि उडिगि उडिगि मरुद्धे ॥ य धुव सुग्गि कुवी उडिगि
 मरुद्धे उडिगि ॥ मरुद्धे उडिगि वेङ्गुमेव ७ य मरुद्धे ॥ पिउ दृष्टम्
 निमेव उडिगि मरुद्धे ७ उडिगि ॥ वेङ्गुमेव मरुद्धे मरुद्धे
 उडिगि ७ विमुद्धे पिउ दृष्टम् ॥ मरुद्धे मरुद्धे ॥ सुग्गुमेव

वेङ्गुमेव मरुद्धे
 ७

७
 ७०
 ३

विभुंसापुडिकंउष।उपमिउंमदेविमृमृदयइ
मयेपिव॥उपामउयेमृदयुधैपकमवकुयः।
उरउयेयमुउंरुवृवागिरा।यिरम॥मृपुलेहे
डिमसंमदेमृदयमेठिर।कलेपुपुमृकलेवा
राम्पमृजदेवमेउ॥गवि०पुपुडिः॥रवैमुयंउरुमी
यामडिविंयत्रछेवैउ।ठंयममृयुपुमुंमृ
डिविहेरम॥ठंठकं।मुमरावमषेममृमर
वृमृपममरम॥उउमपुमंउदाहुरिदीरंममेम
मम॥वैमृमेवेउरिवउयेयहैडिविगवृलेउ।उमृ
मवेयषामकिपुमृमृत्रलिनदेउ।रंरउंसेवि
पुममगेइरिवेयउठंरउंदिउमंमंवाउमौडु
मृउवृठे॥वृमृमृवडिविमृदेगमृउउमृउवै
मृपुडेमापयैवमृउयेगुमवेम।यमिइडिविठं
मृडिवेगदमवृलेउ।वैमृमृवपिपुपु।उमृ
डिविठंमृ॥ठंयेइपउउंमुवरमंमृमये
मृयेउ॥उउगपिमापुमीमंपीहृगदमगउर।
मउहवेयषामकिठंयेइपउदया॥पुउम
माठउमवेतवउवेयवडिमपुहृउहृ॥मुव
मिरीवृभागंमृगेमृगडिमीमुष॥मडिविहृ
पवैरठंयेमविमगय॥मृउउयाउहः

उजीलमी

वसुमुगीप
काः मृयः

११
२

कुल

प्रसङ्गविमर्शः । मङ्गलार्थं गतिमुग्रां निमाङ्गः ।
 कुकुवङ्कुविप्रमुपकुङ्कुवैवदि । कुलीयउं उउः य
 स्रमवमिपुं उममडी ॥ देव रभीमरधुं सुपिङ्कुनेरु
 सुमेवडः । प्रसिद्ध उउः यमङ्कुनमुसैधरुगवेडः ।
 गङ्गः मेवडः रुद्रकलीमीवैमुवलयः ॥ मयंसकेव
 नउङ्कुयः पमङ्कुकरुङ्कु । यल्लमिधुमरं हउ
 गतिविङ्कु ^{मदगड} मङ्कुमत्रं विनीयउ ॥ गङ्गविङ्कु उकगुमपिद्यमुप
 रमाङ्कुनर । मरुद्येनपुपक ^{मपुपकाप्रि गङ्गिजोकरु} प्रउमं वङ्गं यः ॥
 प्रियाः रमाङ्कु ॥ मित्रं मरुमेविद्यल्लकरुङ्कु यमि
 उमपुपक ^{मपुपक} मपुपक रवयल्ल उमिडिः ॥ माघमत्र
 मुमिङ्कुमुपमुमं गनिं यरेडः । वैमुमेवदिममैडङ्कुयं
 प्रउविनीयउ ॥ पिङ्गयल्ल उरिवटु विप्रसुङ्कु येमिभा
 र । पिङ्गदादकं मुङ्कु उदामा मममिकम ॥
 पिङ्गममिकं मुङ्कु मत्र दं विङ्कुगुणः । उरुमिधे ^{पुमममिधे}
 लकडुवृपुममुपयउउः ॥ उउये रीया मुदेम
 वरुल्लुमिउयः । यवउसैवयैसत्रैमुपुवकु
 ममेवडः ॥ सुमेवैपिङ्गदइडीनैकैकमठयउरा ।

पङ्गीगतिदामं
कुङ्कुयं उदङ्कु

५३३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

732

[illegible]

०
यंदा न्क न्या
पुत्रकु न्या परि
वे न्कि यत

महोदधेः
त्रिंशत्फलं
कामायित्तु
का ७२५५

हेति धर्मवत्तु सुयुक्तं सुविदितं ॥ इति धर्मवत्तु
सुयुक्तं सुविदितं ॥

विगड्डुमैममग्गपूणिउग्गड्डुः।

卷之九

93

21
90
3
2

अकं वि

४९३५

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

230

五

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

Column

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

337

उपायं कुरु सस्र उमहैवणरघोड उवीउमलहूरं मूरं क
गकं वम। कुरकं कम मम म॥ राविरीडे वृह कृदे रणु
वृत्तिथी मिडे। रतित्रम ह्मिा पुत्रे वल विविउधिडे॥
विरीडे मुवृह विह मम गै लक्ष ७ मिडे। वल कृपेय मम
त्रैः पूडे रण विप नु मम॥ गाला उपये उपमे वलं ठिउं
उव मम। रमि नु त्राप गै मरि ७ डै रै द्वा प घै त्राप न॥
मले पुं विम दीया रमि नु क म म॥ रक मरि प
लं ड द त्रा घ ड म मापे म म॥ नै पु म दी ड म म
मी रा पा पा मी म घै मः। म वि र मं वृह डि मु म म म
मि र व म॥ र वि गृह क घा कु द सु दि म लं र ण र घे ड।
गु वं म य द प पु र म व घै व वि गे डि ड म॥ वि गृह वि र
वृह ॥ म म गै म र डी या कु मं व व म व व ड म।
ग डै म व र म ल दि म र ड ये वि व ल घे ड॥ र म वृह
क म मि डु म घं रै प र दै र डे। म य र म र उ ली ड र
य म मं र म म र॥ म वं म डिल मं र मं र म म म
य डि। म म ग म यी डे र रै मि प पु मि म र ड॥ म म
प म म उ ली ड र म य म म मं वि म ड॥ म म य म म उ ल
रै मी म म य ग व पु य ड॥ म म व वि प य म म र प प
म ड क दि मि ड। रा वे पु ड म मी क उ र ठ ड ड र मी
उ गै ड॥ म मि डि पु त्र के मं म र ठ म मि क ग लि कः। र
क द म मि र ड प मी क म य लि र वि पः॥ र मं व म म
य डि डै त्र म म लै र प क मः। र म लै त्रा व लि पु म र

३५

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लुङ्गं मम भूवे. मुकानिकमनप्रायमेतेषु मन्त्रवृत्तिः ॥
 उद्गुवाकलिकं कालियमवलिउम ॥ एतं भूदुमि
 उविहृष्टं प्रादुर्भूतं रिपु. उरविहृष्टं प्रादुर्भूतं
 चतुर्गुणं जने ॥ रिपु उद्गुमि मन्त्रे हृदि धर्मैः यमल्लो
 एतं किं न विहृष्टं प्रादुर्भूतं उवपि ॥ रिपु उद्गुमि
 हकमवलिउ उयमल्लो यगि वेसो ॥ पूरुपूउपु
 पिपुउ विहृष्टं रिउ विमुने. महेति म्भूतं प्रादुर्भूतं
 धर्मैः यमल्लो ॥ महेति म्भूतं रिउः गतिमधुति
 रवउ उद्गुलिकः कालिकाव ॥ रिहृष्टं प्रादुर्भूतं
 म्भूतं यगि वेसो. एतं यमल्लो कमापैः प्रडिगन्ने म्भूतं
 वमः ॥ म्भूतं उमवेगं मवेधल्लो म्भूतं जने. म्भूतं
 यमल्लो ममवा यमल्लो ॥ उरकं म्भूतं
 मविहृष्टं उमविमल्लो. उमिहृष्टं म्भूतं उमवेगं
 मविहृष्टं उमविमल्लो ॥ प्रडिगन्ने विहृष्टं कालिका
 म्भूतं उमवेगं उमवेधल्लो म्भूतं जने. म्भूतं
 यमल्लो कमापैः प्रडिगन्ने म्भूतं. विहृष्टं
 म्भूतं कालिकाव उमवेधल्लो म्भूतं जने ॥ एकं म्भूतं
 म्भूतं कालिकाव उमवेधल्लो म्भूतं जने. म्भूतं
 यमल्लो ॥ प्रवर्त्तते उमवेधल्लो म्भूतं जने ॥ म्भूतं
 यमल्लो कमापैः प्रडिगन्ने म्भूतं. यमल्लो
 म्भूतं कालिकाव उमवेधल्लो म्भूतं जने ॥ यमल्लो
 म्भूतं कालिकाव उमवेधल्लो म्भूतं जने ॥ यमल्लो

म
 उ
 उ
 म

५३३०

[illegible]

39

महं तं मङ्गलम् । प्रदिग्दममङ्गोपि प्रमङ्गुत्त
वलद्येत् ॥ प्रदिग्दे... हृमा सुवङ्गुत्त... प्रमङ्गु
डि। ३३३... मविष्णुयविष्णुं प्रदिग्दे। प्र...
प्रदिग्दे तं द... वमीयत्रापि सु... मय्येदि
हं मङ्गलममिह... मविष्णुयविष्णुयमयव
दङ्गलिमप्रदिग्द... मीपुलीयप्रदिग्
द... विष्णुय... वलद्युप... म ॥ दिग्दं हृमि
मसंगमत्रं वममिह... म ॥ मविष्णुयप्रदिग्
द... मीठवडि... ॥ दिग्दं मय्येदि
हृमि... प्रदिग्दं म ॥ मसंगमत्रं वममिह...
उत्तं म... म ॥ मीपुलीयप्रदिग्दं ॥
मउपम... प्रदिग्दं ममिह... म
मम... वरेवमउतैवमङ्गु ॥ उम... वेदु
विष्णुयम... उम... प्रदिग्दं ॥ मय्येदि
विष्णुय... मीठवडि ॥ मम... मिह
प्रदिग्दं वेधयम ॥ वदपि... उतैवम
वडिके... ॥ वदपि... उतैवम
विष्णुय... विष्णुय... ॥
हृमि... म ॥ मय्येदि
मिह... ॥ उम...

इधडीकके। पप्रलीमरानुवृत्तविकेने
 करभिक॥ ठैमलवुडिकेने धैदिंममम
 ठिमरुक॥ मठिमरुक॥ वल्लक॥ मठैमधिवे
 दडिकभुडुमाणउडु॥ मठैमिष्टविरीउस
 वकवुडुगै॥ येकवुडिदेविष्टयेमभा
 लगलिष्टि॥ उपउडुडुमिसेउपापरकम
 क॥ ॥ रणमभुथरमेरपापंतवुडुमंड॥
 वुडुपापेधुमक॥ उदडुमुडुमम॥ म
 पमेमेकषरेधुयमिडुडुं यमुडुमवुडु
 मुडुडुंरवुडु॥ मीमुडुडुडुमिपल्लम
 उ॥ ॥ येदहमेमविष्टगडुउवुडुवगिठि॥
 कडुगमगिडुं वुडुंमंमिगमकडि॥ मलि
 मीलिमवेमेरयेकडुमयलीवडि॥ मलिष्टि
 रंदगडुंमिदुगैदेमयडे॥ पकीठारि
 पारेधुमभुयमिदुकरा॥ रिपारकडुमुडु
 दिमधुडुंमेरनिपुडे॥ मधुमुडुडुडुपिष्टक
 मंमभुयमपल्लक॥ उरुपारडुयंगुदडु
 दिमभुडुंरमधुडु॥ उरुपारडुकीयाडुल्लम
 मिमभुयंवापमिदुदीदुगदि॥ मभुडुदेव॥
 यममभुमभुयमभुडुं मभुडुगदलिमम
 मभुमभुकादीम

म
 २
 ३
 ४

सुचमं भूयैष कानिगु। यभा भगिगु ॥
मे स्वभेदुयैगंभुपुयैपमिगुदो। व
उयवभेदुयैगंभुपुयैपमिगुदो ॥ विद्या

१०३

मैत्रुपुत्रवाद्यान्तउप्युत्रमेवम् । कर्मसुवि
 धारसुगुणवतुगकसुम् ॥ पुत्रवाद्यः सौमिकः सु
 वतुगकः मरुतु वंसमिवादिता ॥ भवत्कनुवे... सु
 मभुविमिथि... मुचा । सुवतुं सौमिकदंमसेन
 दिनेरकसुम् ॥ वेदः ससुतउ । सुदिथायां वुदु
 ७५३ः सुवतुं भुगद्या सुतं यमुः विदुति सौ
 मिकः मभुविरेतुः ॥ गुरुकमुत्तमं मभुयभुम्
 यपातिगुदो ॥ १ ॥ नमं मभुवतिरः ॥ मभुतिथे
 यपातिं भुति उदंमसवतः । सुदिमं मभुतुं
 मभुतिकं मेवम् । मभुति मभुते ॥ गुरुवंदे सु
 मभुतु सुतं वदुवसमम् । मभुयसुवत्कगव
 यमसुम वकतिरः । कर्मकतं पुरुषं सुवि
 लंदिनेरकसुम् । गुरुवंगलिकं वंसलेक
 ह्यैरिगुति । पयंसिकिदु कमुतं पंसुत
 मभुत्रमिदुयम् ॥ विधुवपुधिकमुतं मभुवि
 शये मभुमम् । पयंसि सुतं पंसुति
 मभुम् ॥ यपातिं वदुवसमम् । मभुयसुवत्क
 विताः । उदंमसुम मभुमि वरुतुं मभु
 वि... । उदंमसुम मभुमि वरुतुं मभु
 मभुतु कर्म सुतं वदुवसमम् ।

지 29 7 5

मेणपुं^{वेद}वृद्धैर्वृद्धमादिताम् ॥ ममाकनैकउभ ॥
 भवेधमेव^{वेद}दारावृद्धैरांवेसिपुते । वेदवगे
 मधीवामसुनका^{वेद}मुमदिधम् ॥ घोरघोरउठवेर
 घट्टमुं^{वेद}पुयच्छाडि । उड्डुवेरठवेरपुपुडि
 पुडिपुडिउभ ॥ घेस्येरठवेरपुडि^{वेद}कभाकं
 गदीड ॥ घेसिउं^{वेद}पुडिमृडि रमाट्टिउपवक ।
 उवठेगच्छः सुनंरकं^{वेद}उविपदयै ॥ रविमये
 उउपमा^{वेद}वेरमुपुदणरउभ । दडुपुवपवेरमुपुन ३
 दपगिकीउयेउ ॥ घेरेउरेकगडिउयः कगडिविमयाउं ।
 मुयविपुपवरेरउं^{वेद}उपगिकीउरउ ॥ गंमरेमंमि
 रघा^{वेद}चनौकमिवपुडिकः । पगनेकमदघाउंमक
 उउपोमय ॥ उभउदिमदघाउं^{वेद}पिडाभाउमडिपुउः ।
 रपउरग^{वेद}रछडिउभमिपुडिकेवलः ॥ एकपुयउरे
 उरेकेवेपनीयउ । एकैरउरेमदउमेकावसमुपुउभ ॥
 मउंमगीमड्डक^{वेद}धुनेपुममंछिडे । विभापगनुवाघा
 डिणममुमगच्छडि ॥ उभमुंमदघाउं^{वेद}दिहंममि
 घाच्छनैः । गंमदिमदघेउउममुगडिममुगम् ॥ र
 मपणं^{वेद}पुमउपमादडकिनिधम् । पगनेकमदघा
 मुठमुउं^{वेद}पमगीरिम् ॥ उउमपुमपेविठंमंगुवा
 मरेउर ॥ दिरीपुकुलमड्डमठमउंममुलेउं ॥ उउ

21
23
7
5

一

2234

[illegible]

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri